

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर
पीठासीन अधिकारी- अरविन्द कुमार जाखड़ (आर.ए.एस.)

अपील संख्या : 21/2017

दायरा दिनांक : 23.03.2017

श्रीमती मीरां पत्नी सुन्दरलाल जाति कुम्हार निवासी चक 4 डी.डब्ल्यू.एम. तहसील सूरतगढ़ जिला
श्रीगंगानगर

अपीलांत

बनाम

1. ईशर पुत्र रतना जाति नायक निवासी सिंहपुरा तहसील संगरिया जिला हनुमानगढ़, राजस्थान
2. चिरंजीलाल पुत्र नानूराम जाति मेघवाल निवासी चक 5 एस.जी.आर. तहसील पीलीबंगा जिला हनुमानगढ़
3. राजस्थान-सरकार जरिये मू-प्रतिनिधी तहसीलदार (राजस्व), सूरतगढ़
4. श्रीमान् उपपंजीयक, उपपंजीयक कार्यालय, राजियासर तहसील सूरतगढ़
5. सरपंच, ग्राम पंचायत बीरमाना तहसील सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर

रेस्पोडेंटस

अपील अंतर्गत धारा-75 राज0 मू-राजस्व अधिनियम-1956

उपस्थित-

1. श्री राकेश कुमार मनचन्दा, अधिवक्ता निगरानीकर्ता
2. श्री भगवानदत्त शर्मा, अधिवक्ता गैरनिगरानीकर्ता संख्या 05

:: निर्णय ::

दिनांक :19.10.2022



अपील के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि चक 4 डी.डब्ल्यू.एम. तहसील सूरतगढ़ के पत्थर नं. 157/62 के किला नं. 16 में 1.00 बीघा, 10 ता 11 में 2.00 बीघा, 19 ता 25 में 6.10 बीघा व पत्थर नं. 157/39 किला नम्बर 1, 2, 10, 11 में 4.00 बीघा, किला न. 3 ता 9 में 7.00 बीघा, किला न. 12 ता 25 में 14.00 बीघा इस प्रकार कुल 34.10 बीघा (29.10 बीघा अनकमाण्ड एवं 5.00 बीघा कमाण्ड) कृषि भूमि रेस्पोडेंट नं. 1 ईशर पुत्र रतना के नाम से दिनांक 15.10.1982 को सक्षम अधिकारी द्वारा आवंटित की गई। मौका पर आबाद ना होने व किश्तें जमा ना कराने पर सक्षम न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, सूरतगढ़ द्वारा उपरोक्त आवंटन दिनांक 26.03.1992 को निरस्त कर उक्त भूमि को रकबाराज घोषित किया गया। रकबाराज भूमि होने पर सक्षम अधिकारी उपखण्ड अधिकारी सूरतगढ़ द्वारा चक 4 डी.डब्ल्यू.एम. प. नं. 157/39 किला नं. 2 व 9 की 0.506 है0 भूमि गैरमुमकिन हड़डा रोडी प. नं. 157/62 किला नं. 11 व 16 गैरमुमकिन आबादी किला नं. 12 में 0.253 है0 रणजीत पुत्र दिलसुख को आवंटन कर दिया एवं किला नं. 24-25 उच्च प्राथमिक विद्यालय व दिनांक 16.04.2013 को प्रशासन गांवों के संग अनियान में 2013 में चक 4 डी.डब्ल्यू.एम. के पत्थर नं. 157/62 किला नं. 19-20 की 0.506 है0, 21/1 ता 23/1 की कुल 1.189 है0 भूमि आराजीराज भूमि ग्राम पंचायत बीरमाना को चक 4 डी.डब्ल्यू.एम. की आबादी विस्तार हेतु आवंटित कर दी गई। इस भूमि में मौका पर खेती करने वाले निर्धन मजदूर व्यक्तियों को पट्टे जारी किये गये। इसी आबादी भूमि में आंगन बाडी केन्द्र के नाम से भी पट्टा जारी किया हुआ है। रेस्पोडेंट संख्या 01 ने अपने पुख्ता आवंटन को बहाल करवाने का प्रार्थना पत्र तहसीलदार सूरतगढ़ के समक्ष पेश कर सही तथ्यों को छिपाते हुए दिनांक 27.4.2016 को रकबा बहाली का आदेश न्यायालय आवंटन अधिकारी सूरतगढ़ से प्राप्त कर चक 4 डी.डब्ल्यू.एम की 1.189 है0 व 2 डी.डब्ल्यू.एम के के पत्थर न. 157/39 के किला न. 1, 3 ता 8, 10 ता 25 की 5.189 है0 भूमि क0अ0क0 के संबंध में प्राप्त कर समस्त किश्तें राजकीय कोष में जमा करवाकर खातेदारी अधिकार प्राप्त कर लिये। गैरनिगरानीकर्ता संख्या 01 ने अपनी उक्त खातेदारी भूमि में से आबादी हेतु स्वीकृत की गई भूमि यथा 1.189 है0 रकबा का बेचान बैयनामा दिनांक 20.06.2016 द्वारा रेस्पोडेंट संख्या 2 चिरंजीलाल पुत्र नानूराम को कर दिया। उक्त बेयामाना के आधार पर नामांतरण संख्या 327 दिनांक 23.06.2016 नायब तहसीलदार राजियासर द्वारा स्वीकृत कर दिया। अपीलांत ने जरिये अपील अधीनरथ न्यायालय नायब तहसीलदार राजियासर के इंतकाल संख्या 327 दिनांक 23.06.2016 निरस्त करने की प्रार्थना पत्र की।

अपील दर्ज रजिस्टर कर रेस्पोडेंटगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। अपीलांत की ओर से अधिवक्ता श्री राकेश कुमार मनचन्दा हाजिर आये। रेस्पोडेंट संख्या 5 सरपंच ग्राम पंचायत बीरमाना की ओर से अधिवक्ता श्री भगवानदत्त शर्मा हाजिर आये। शेष रेस्पोडेंटगण बावजूद पर्याप्त सूचना के अनुसार उपस्थित नहीं रहे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर
सूरतगढ़ (श्री गंगानगर)

सर्वप्रथम प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 96 सीपीसी पर बहस सुनी गई। वकील अपीलांट ने प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 96 सीपीसी के तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि अपीलांट अधीनस्थ न्यायालय के प्रकरण में पक्षकार नहीं था। अपीलांट जैर अपील आदेश से सीधे सीधे व्यथित है एवं प्रभावित पक्षकार है। इसलिए अपील पेश करने की कानूनी अधिकारी है। अतः प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 96 सीपीसी स्वीकार किया जाकर अपील प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करे। ग्राम पंचायत के अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 96 सीपीसी का ना तो कोई जवाब पेश किया तथा ना ही दौराने बहस कोई मौखिक आपत्ति जाहिर की।

हमने पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों का गहनता से अवलोकन किया। प्रकरण में अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जैर अपील इंतकाल दर्ज करने से पूर्व अपीलांट सुनवाई का अवसर दिया जाना प्रतीत नहीं होता है। प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 5 मियाद अधिनियम में अपीलांट ने देरी का जो कारण बताया है वह उचित व संतोषजनक प्रतीत होता है। अपीलांट द्वारा धारा 5 मियाद प्रार्थना पत्र के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र का कोई प्रतिशपथ पत्र भी ग्राम पंचायत के अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्रकरण में कानूनी बिन्दु निहित है। इसलिए हस्तगत प्रकरण का निस्तारण तकनीकी बिंदुओं के आधार पर खारिज करने की बजाय गुणावगुण के आधार पर किया जाना युक्तियुक्त एवं न्यायोचित है। अतः प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 5 मियाद अधिनियम स्वीकार किया जाता है तथा निगरानी अन्दर मियाद शुमार की जाती है।

अपील में गुणावगुण पर बहस प्रस्तुत करते हुए अधिवक्ता अपीलांट अपील मीमों के तथ्यों को दौहराया तथा निवेदन किया ईशर पुत्र रतना के आवंटन बहाली आदेश को एवं खातेदारी अधिकार को निरस्त करवाने बाबत माननीय न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी में अपील संख्या 15/2017 व अनवान मीरा बनाम ईशर आदि, अपील संख्या 16/2017 व अनवान सरस्वती बनाम ईशर व अपील संख्या 29/2017 व अनवान सरस्वती बनाम ईशर दायर की गई थी। माननीय न्यायालय ने दिनांक उक्त अपीलों का निर्णय दिनांक 28.11.2018 को करते हुए आवंटन अधिकारी सूरतगढ़ का रकबा बहाली आदेश 27.4.2016 व खातेदारी आदेश दिनांक 03.06.2016 निरस्त कर दिया। माननीय राजस्व अपील प्राधिकारी, श्रीगंगानगर के उक्त आदेश में तहसील सूरतगढ़ के चक 4 डीडब्ल्यूएम के कुल 34.10 बीघा रकबा के बहाली आदेश निरस्त किये गये हैं, जिसमें पत्थर न. 157/62 किला न. 19, 20 की 0.506 है, किला न. 21/1 में 0.228 है0, 22/2 में 0.227 है0, किला न. 23 में 0.228 है0 कुल 1.189 है0 ग्राम पंचायत बीरमाना को ग्राम 4 डीडब्ल्यूएम की आबादी विस्तार हेतु आवंटित की गई थी जिसमें से कुछ भाग का अपीलांट को रिहायश हेतु पट्टा जारी किया गया है, की भूमि शामिल है। अतः माननीय राजस्व अपील प्राधिकारी, श्रीगंगानगर के आदेश के संदर्भ में अपील अपीलांट स्वीकार की जावे।

अधिवक्ता रेस्पोडेंट संख्या 5 द्वारा अधिवक्ता अपीलांट के कथनों का समर्थन कर अपील स्वीकार करने का निवेदन किया।

उभय पक्ष की बहस को सुनने के पश्चात पूर्ण पत्रावलियों का बहस के परिपेक्ष्य में गहन अध्ययन व मनन उपरान्त पाया गया कि माननीय राजस्व अपील अधिकारी, श्रीगंगानगर के निर्णय दिनांक 28.11.2018 द्वारा ईशर पुत्र रतना को आवंटित 34.10 बीघा रकबा का बहाली आदेश दिनांक 27.4.2016 व खातेदारी आदेश दिनांक 03.06.2016 निरस्त किया जा चुका है जिसमें जैर अपील रकबा 1.189 है0 किस्म अनकमाण्ड रकबा भी शामिल है। अतः उक्त आदेश के अनुसरण में अधीनस्थ न्यायालय का जैर अपील इंतकाल संख्या 327 दिनांक 23.06.2016 भी खारिज किये जाने योग्य है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपील अपीलांट स्वीकार की जाती है तथा अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार राजियासर का अपीलाधीन इंतकाल संख्या 327 दिनांक 23.06.2016 निरस्त किया जाता है। निर्णय की प्रति सहित अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख वापिस लौटाया जावे। पत्रावली बाद तरतीब तकमिल दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(अरविन्द कुमार जाखड)
अतिरिक्त जिला कलमकार
सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)